>

Title: Situation arising out of land acquisition in various states of the country.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान देश के तमाम किसानों की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। आज पूरे देश में किसानों को जमीन का मालिकाना हक नहीं है। कहीं पर वह भूमिधर हैं, कहीं सीलधर हैं, कहीं जीवन एक है, कहीं जीवन दो हैं। प्रदेश सरकार जब भी चाहती हैं, विकास के नाम पर, योजना के नाम पर या पूंजीपतियों के नाम पर कोड़ियों के भाव जमीन अक्वायर करती हैं, जिससे पूरे देश में किसानों को जमीन अधिग्रहण के मामले में आक्रोश व्याप्त है, चाहे वह मथुरा हो, चाहे अलीगढ़ हो, चाहे बंगाल हो, अभी मध्य प्रदेश के साथी बोल रहे थे, पूरे देश में किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। इसी तरह मेरे संसदयी क्षेत्र अकबरपुर में भारतपुरवा फतेहपुर सरसौर का जो मजरा है, वहां पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस ट्रैनिंग सैंटर के नाम पर लगभग पूरे गांव की जमीन को अक्वायर कर लिया गया, जिनमें तीन-तीन फसलें होती थीं। एक साल से ज्यादा हो गया है, उन्हें मुआवजे की राशि नहीं बतायी गई है कि कितना मुआवजा मिलेगा। न राज्य सरकार और न ही केन्द्र सरकार के लोग बताते हैं कि यह उनकी तरफ से अक्वायर की गई है। सैन्टर वाले बताते हैं कि स्टेट की ओर से अक्वायर की गई है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उक्त जमीन पर तार खींचकर टावर बनाकर उनकी गृहीत जमीन को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस फोर्स के मना करने पर किसानों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हो गए हैं। उक्त जमीन कानपुर-इलाहाबाद नेशनल हाइवे पर है। जिसकी प्रति बीघा कीमत 20 लाख रूपये है, लेकिन उक्त जमीन को कोड़ियों के भाव लेकर किसानों को भूखों मरने को मजबूर कर दिया गया है। मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार को भारत सरकार हिदायत दे कि जहां अनउपजाऊ जमीन को अक्वायर करके...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record, except what Shri Majumdar says.

*(Interruptions) â€¦**